वाक्य शुद्धि

PART - 2.

संज्ञा संबंधी अशुद्धियाँ :-

→ नगर की सारी ~~जनसंख्या~~ भूखी है। "जनता"

→ फसल ~~नाश~~ हो गई "नष्ट"

→ मैं शनिवार ~~के दिन~~ वहा पहुंच रहा हूं। "को"

→ यह चित्र ~~बड़ा~~ सुन्दर है। "बहुत"

→ उनका रहन-सहन का ~~दर्जा~~ ऊचा है। "स्तर"

→ मुझे सफल होने की निराशा है "आशा"

→ आपने यहा बुलाकर ~~अशुद्धि~~ की। "गलती"

→ प्रेम करना तलवार की ~~नोक~~ पर चलना है। "धार"

→ ~~हमारे~~ माता जी बहुत अच्छी है। "हमारी"

→ गोलियो की बाढ़ से बौछार हो गई

→ उसने धीरे स्वर मे कहा "धीमे"

→ पुस्तक समर्पण की "प्रस्तुत"

→ उसने उनके गले मे (एक) गेंदे की माला पहनायी

→ सभा मे विरोध (प्रकट) किया गया

→ दूध मे कौन पड़ गया है "क्या"

लिंग संबंधी अशुद्धियाँ

⇒ अशुद्ध वाक्य :-

→ परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए "बदलनी"

→ हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया। "दी गई"

→ मुझे मजा आती है। "आता"

→ उसने संतोष का सांस ली। "की"

→ मुझे बहुत आनंद आती है। "आता"

→ वह धीमी स्वर मे बोला। "धीमे"

→ राम, सीता वन को गई "गए"

→ देश की सम्मान की रक्षा करो "के"

→ लड़की ने जोर से हँस दी ने ×

→ दंगे मे बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गई "पकड़े गए"

वचन संबंधि अशुद्धिया

अशुद्ध वाक्य :-

→ सबो ने यह राय दी "सब"

→ पेड़ो पर तोता बैठा है। "पेड"

→ उसने अनेको ग्रंथ लिखे। "अनेक"

→ उसने अनेक प्रकार की विद्या सीखी "विद्याएँ"

→ महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा। "दिन"

→ मेरे ऑसु से रूमाल भींग गया "आसूओ"

→ पाकिस्तान ने गोले ओर तोपो से आक्रमण किया "गोलो"

→ तेरी बात सुनते-2 कान पक गए "बाते"
→ ऐसी एकाध बाते सुनकर दुख: होता है। "बात"
→ हमारे सामानो का ख्याल रखियेगा सामान
→ वे विविध विषय से परिचित है। "विषयो"

कारक संबधी अशुद्धिया

→ हमने यह काम करना है। "हमे"
→ मैने राम को पूंछा। "से"
→ सब से नमस्ते। "को"
→ नौकर का कमीज "की"
→ मैंने नही जाना "मुझे"
→ मेरे नये पते से चिट्ठिया भेजना पर

सर्वनाम संबधी अशुद्धिया

→ मेरे से मत पूछो। "मुझसे"
→ कुत्ता रेंगता है। "भौकता"
→ मेरे को यह बात पसद नही "मुझको"
→ तेरे को अब जाना चाहिए "तुझे"
→ मेने नही जाना "मुझे"
→ आप आपका काम करो (अपना")
→ मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊगा
"को"

कारक → मे 8 भेद.

1. कर्ता — ने
2. कर्म — को
3. करण — से, के द्वारा (साधन)
4. संप्रदान — के लिए, के वास्ते, को
5. अपादान — से (अलगाव), तुलना
6. संबंध — का, की, के, रा री, रे
7. अधिकरण — मे, पर
8. संबोधन — अरे, ओ, अर !

सर्वनाम - 6 भेद है।

→ पुरुषवाचक सर्वनाम
→ अनिश्चय वाचक सर्वनाम
→ निश्चय वाचक सर्वनाम
→ प्रश्न वाचक सर्वनाम
→ निज वाचक सर्वनाम
→ संबंध वाचक सर्वनाम